बालमन कुछ कहता है 12

चालाक लोमड़ी और कौआ

शिराली रुनवाल*

कहानी सुनना बच्चों को बहुत अच्छा लगता है। एक ही कहानी बच्चों को कई तरह से सुनायी जा सकती है। अलग-अलग विधाओं में बदलकर कहानी सुनाने से न केवल बच्चों को आनंद मिलता है बल्कि उन्हें साहित्य की नाना विधाओं की जानकारी भी हो जाती है। इसके साथ ही उन्हें यह भी ज्ञात हो जाता है कि एक कहानी/घटना को अलग-अलग रूपों में किस तरह से प्रस्तुत किया जा सकता है। चालाक लोमड़ी और कौआ दोनों ही अपनी चालाकी के लिए जाने जाते हैं। इन दोनों की इसी चतुराई के कई किस्से मशहूर हैं। कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों से ही कविता को कहानी तथा कहानी को कविता या नाटक आदि विधाओं में लिखने को कहा जा सकता है। एक बारहवीं कक्षा की छात्रा की ही लिखी कविता यहाँ दी जा रही है।

एक लोमड़ी बड़ी चतुर
हड़प विधा के जाने गुर
देखा कौए को लिए पनीर
पाने को हो उठी अधीर!

ललचाए मुख टपकी लार
हुई कमर कसकर तैयार
किंतु करटक बड़ा सयाना
सरल न था उसको भरमाना!

सोचा जमकर करूँ बढ़ाई
निहित इसी में है चतुराई
बोलूँ इक भी शब्द न रूखा
कौन नहीं तारीफ़ का भूखा?

मतलब की तब बात चलाई
ओ मेरे मुँहबोले भाई!
जितने तेरे पर चमकीले
उससे बढ़कर बोल रसीले।

* बारहवीं कक्षा की *छात्रा*, ए.एम.आई.ए. शिशु मंदिर, ग्वालियर, मध्यप्रदेश

मन आज है बहुत उदास
तोड़ न देना मन की आस
मीठा-सा इक गीत सुना दे
'पॉप' नहीं रीमिक्स ही गा दे।

सुन कागा कुप्पे-सा फूला
ख़्वाबों के झूले में झूला
हुआ वो गाने को बैचेन
चमक उठे बहना के नैन।

खुली चोंच तो गिरा पनीर
सही निशान पर लगा था तीर
अगली ने झट लिया दबोच
कौआ डूबा गहरी सोच।

खाकर बोली टुकड़ा ताज़ा
धन्यवाद ओ कौए राजा!
न केवल मेरा दिल बहलाया
भोजन भी भरपेट खिलाया।

वाक्-जाल में फँसकर
लोगों की मत मारी जाती
जीती बाजी तक दुर्जन के
हाथों देखो, हारी जाती!

इसीलिए सब रखना याद
नहीं कुबूलो झूठी दाद
इस दलदल में जो भी गड़ता
आख़िर पछताना पड़ता।

"जब मैं पढ़ता हूँ और तब दुनिया को समझ रहा होता हूँ और जब दुनिया को समझ रहा होता हूँ तो खुद को भी समझ रहा होता हूँ।"

पाउलो फ्रेरे

बालमन कुछ कहता है

मेरा विद्यालय

मेरा नाम लक्ष्य है। मैं पाँचवी कक्षा में पढ़ता हूँ। मुझे अँग्रेजी, गणित और साइंस मेरे प्रिय विषय हैं। मेरा सबसे अच्छा दोस्त आयुष है।

विद्यालय में अधिक विषय होने के कारण मेरा बैग बहुत भारी हो जाता है। जिसे उठाने में मुझे बहुत मुश्किल होती है।

हमारे विद्यालय में खेल के मैदान के पास पानी की व्यवस्था है। खेल का पीरियड खत्म होने के बाद हमलोग वहाँ से पानी पीते हैं।

हम विद्यालय से साल दूसरी जगह घूमने जाते हैं। जिसमें बहुत मजा आता है।

लक्ष्य दहिया
पाँचवी कक्षा
न्यू ग्रीन फील्ड स्कूल
साकेत

बालमन कुछ कहता है

मुझे चीटियाँ बीलकुल भी पसंद नही हैं कयोकि वो दूसरा के खाने मे घुस जाती हैं और पूछती भी नही । है

एकाग्रता

II A

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में

साथियो,

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका में प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर आधारित ऐसे लेख प्रकाशित किए जाते हैं जो एक शिक्षक के लिए उपयोगी हों। इस पत्रिका के कुछ महत्वपूर्ण सरोकार हैं–

- शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों की जानकारी एवं विवेचन
- समसामयिक शैक्षिक शोध एवं अध्ययनों का विवरण
- समसामयिक शैक्षिक चिंतन
- शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के अनुभव
- शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए व्यावहारिक बाल मनोविज्ञान
- पाठशालाओं एवं शिक्षा केंद्रों की समीक्षा
- शिक्षा संबंधी खेल एवं उनकी उपयोगिता
- विभिन्न शिक्षण विधियाँ
- क्रियात्मक शोध और नवाचार
- शिक्षकों के लिए पठनीय पुस्तक के बारे में जानकारी आदि।

कैसे भेजें रचनाएँ

उपरोक्त सरोकारों पर आधारित लेख, संस्मरण, कविताएँ आदि आमंत्रित हैं। कृपया ध्यान रखें कि लेख सरल भाषा में तथा रोचक हों। शोधपरक लेखों के साथ संदर्भ साहित्य की सूची अवश्य दें। लेखों के प्रकाशन के उपरांत समुचित मानदेय की व्यवस्था है। लेखों की त्रुटिरहित टंकित प्रति अगर सी.डी. में भेज सकें तो अच्छा रहेगा। लेख ई-मेल द्वारा भी भेजे जा सकते हैं। अपने लेख निम्न पते पर भेजें–

अकादमिक संपादक
प्राथमिक शिक्षक
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एन.सी.ई.आर.टी.
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110016
ई. मेल- prathamik.shikshak@gmail.com

कैसे बनें सदस्य

इस पत्रिका के सुचारु रूप से प्रकाशन, प्रचार एवं प्रसार के लिए पाठकों तथा लेखकों का सहयोग अनिवार्य है। इस संदर्भ में आपसे निवेदन है कि इस पत्रिका के स्थायी सदस्य के रूप में अपने विद्यालय, संस्थान अथवा स्वयं को पंजीकृत करवाने का कष्ट करें। इसका वार्षिक सदस्यता शुल्क केवल ₹ 260.00 है और प्रति कॉपी का मूल्य मात्र ₹ 65.00 है। आशा है आप इस दिशा में शीघ्र ही निर्णय करके विद्यालय, संस्थान अथवा निजी वार्षिक सदस्यता के लिए कार्यवाही करेंगे। वार्षिक सदस्यता शुल्क-पत्र के लिए अपना पत्र स्वनामांकित लिफ़ाफ़े सहित **बिज़नेस मैनेजर, प्रकाशन विभाग (एन.सी.ई.आर.टी.) श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली-16** को भेज सकते हैं।

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Sri Aurobindo Marg, New Delhi – 110 016

(Division of Educational Research)

NCERT SENIOR RESEARCH ASSOCIATESHIP (POOL OFFICERS) SCHEME

Applications are invited for the appointment of NCERT Senior Research Associates in the field of school education and related disciplines. For conditions of eligibility, see 'Announcements' on NCERT website www.ncert.nic.in. The completed applications may be submitted to 'The Head, DER, NCERT, New Delhi - 110 016'. The applications would be considered twice a year (31 May and 30 November will be cut-off dates).

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली – 110 016

(शैक्षिक अनुसंधान प्रभाग)

एन.सी.ई.आर.टी. सीनियर रिसर्च एसोसिएटशिप (पूल ऑफिसर) स्कीम

विद्यालय शिक्षा एवं संबंधित विषयों में एन.सी.ई.आर.टी. सीनियर रिसर्च एसोसिएट के पद के लिए भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। पात्रता की योग्यता संबंधित जानकारी हेतु एन.सी.ई.आर.टी. की वेबसाईट www.ncert.nic.in पर देखें। पूर्ण आवेदन अध्यक्ष, शैक्षिक अनुसंधान प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली - 110 016 को भेजे जा सकते हैं। आवेदनों पर वर्ष में दो बार विचार किया जाएगा (31 मई तथा 30 नवंबर अंतिम तिथियाँ होंगी)।